04/07/2016 Issue 055 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

अमनण घुगि

बबीता, ग्रां चौकी

यक ग्रांए भेएड़ घणा जंगल थिया। जंगले बुच यक तलाब थिया। तठि सुआ बुटे बि थिए। अन्हि सोभि बुटि पुठ सुआ चड़ी-चखरु गुलहा बड़ाई कइ बिशतेथ। तठि हड़ि डा पुठ यक घुगि बिशतीथ।

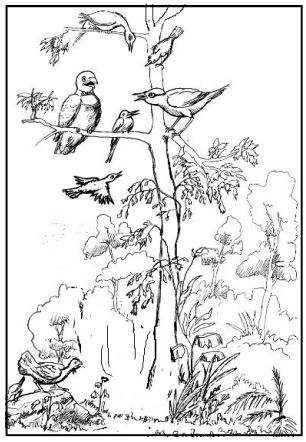

सोब चड़ी तेस जे बोतीथ कि तु इहाणि अठि हड़ि डा पुठ बिश कइ उंघ घेन्ती, अपु गुलहा किस ना बणांती। पर घुगि ठेहरी अमनण, कसेरी केहणा ना मनतीथ, बल्कि कऊं जेंई तेस जे बोलुण लगा या समझाण लगा त तेस लहेर एई घेन्तीथ। तोउं मौसम बदलीण लगा त ठनियार एण लगी। सोभि के मन मोर नचण लगो थिए। कोठि अति फुकिणे गरमी त अब ठन्हि-ठन्हि बियार! चखरी अपु गुहले केआं बाहर हेरु त तेस मौसम अब्बल लगा। से तलाबे ओत-कोत बइ नचण लगी। नचते-नचते तसे नजर हइ पुठ गइ तठि हड़ि डा पुठ यक घुगि उंघो थी। चखर लगु कि उंघो ए भीं ना झण घिए, से उडीर कइ घुगि केंई गई। चखर घुगी जे बोलुण लगी, 'भेणिए यक बोक बोल ना? तु बुरु त न मनती?' घुगि बोलु, 'अउं समझ गई, कि तु में भेएड़ किस अओ असी? जरुर तोउ मोउं जोई किछ कम असु।' चखरी बोलु, 'भेण त हमेशा ईअपु भेण जोई प्यार भुन्ता तोउं त अउं तोउ समझाण जे अओ असी।' घुगि फिर लेहर एई ग, 'तु अति मठणि त फिर बि मोउं समझाण जे अओ असी झठ बोल कि बोक असी?' चखरी बोलु, 'भेणिए, ठनियार बधती घेन्ती। अउं चाहांती कि तु बि अपु गुलहा बणा, ताकि ठनियारी बेलिए तोउ तकलीफ ना भो त होरि के ईं तु बि सुसुर उंघ पूरेर कइ नचती-फिरती उडर।' घुगि बोलु, 'बक-बक कइ छऊं ना अब गा इठिया फिर कदि ना एण। थक गई अउं तुं सोभि के बकवास शुण-शुण कइ।' चखर बिचारी दुखी भोई कइ अपु गुहले एई गई। मठे-मठे ठनियार बधण लगो थी।

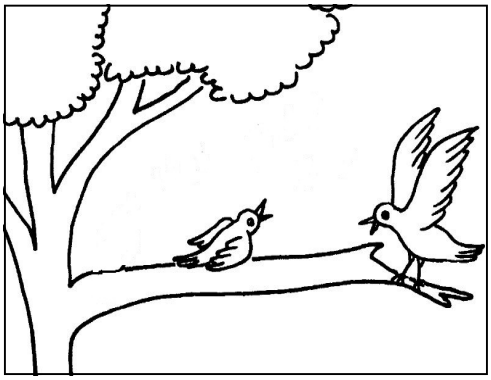

यक रात चखर अपु बच्ची जोई बेहड़ी कइ गुहले अन्तर बिशो थी। तोउं गुहले अन्तर मठण ईं खोपर भोई गा। बाहर सुआ बियार लगो थी त तेन खोपरे बइ बियार एण लगो थी। तढ़िया पता ठनियार बध गई त डंग बि शिण लग गा। चखरी खोपरे बइ हेरु कि घुगि ठनियारी बेलिए ठरकण लगो थी। डंगे बेलि से जमिण लगो थी। चखर फिर दया एई गई त तेन अपु बेजती भुलाई छड़ी। से जोरि जोई बोलुण लगी, 'भेणिए में गुहले अन्तर आई, बाहर सुआ डंग शिण लगो असा।' घुगि जाणतीथ कि 'केसे ना केसे मोउं पुठ दया एई घेन्ती। फिर किस अति मेहनत करीण।' 'आई भेणिए, बोल कइ घुगि जिहाणि चखरी गुहले अन्तर घेण लगी जेस अन्तर तसे बच्चे बि थिए टूट कइ भीं झड़ गा। घुगि त बोडी थी पर गुहला मठड़ थिया। बिचारे चखरी बच्चे भीं झड़ कइ सुआ लगी। तउं बेहिंआ अपु गुहले केआं अलण बोलुण लगी, 'हेर छड़ा ना धुत त अलसी के मदत करणे नतीजा।' तोउं डू लगण लगी त चखर बिचारी अपु बच्ची पखोडि बइ घटण लगी। साते-साते पछताण बि लगो थी घुगि समझाणे लिए। चखरी आदत थी सोभि के भलु करणे पर गलत मेहणु समझाणे बेलि अपणा नुक्सान भुन्ता। मठणियार तसे ईये से समझओ थी ए बोक जे आज तसे समझ अन्तर आई।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ती त गलती बि भुन्ती। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेएड़े हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सुझाव त अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगेई मेहणु जे हात जोड़ कइ निवेदन कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणी या नोवी कथा, कहावत, कविता, त नोवे घीत (पंगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्न दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9418721336

CC

पुरशो, करे हिम्मत! सुसुर मतलब जोई लखिर लई कइ जोड़ीण दिए।

1.	टिरि थुम दी रख	दुसरों की मदद करना और अपना काम रहने देना।
2.	निकि नार	जाते जाते सब कुछ बटोर कर जाना।
3.	गगड़ आण नगड़ पुठ	पथरीली जमीन पर बीज और सर्वहीन के पास बेटे।
4.	नशणेले गादि, ताता कुदालि गादि	बहुत काम के चीज।
5.	जाणकारे गी खनकुनाई, वैदे गी टा काने	जानवुझ कर अनजान बनना।

किट्टि

Source: Internet

सकूल मैडम किट्टि जे बोती, 'किटटी, तु कति सुस्त असी। तु कोई बि कम ना कती। पढ़ाई बि ना कती। तु गीहा स्कूले कम बि पूरा कर कइ ना अण्ती।' कट्टि बोती, 'ना, ना, मैडम जी, अउं त तीं पढ़ती।'पर मैडम बोती, 'शुई तकर मोउं तें सोब कम पूरु लोतु। जीं बि कती।'

त किट्टि चिंटु जे बोती, 'चिंटू, तु अपु काफी देन्ता ना मेन्धे, कम पूरु करण जे? ना त शुई मोउं मार लगती।' चिंटु बोता, 'ऑ! किटटी, किस ना? तु नी सकती। पर ऑ ना में काफी खराब करीण त ना चीरिण। किट्टि बोती 'ठीक असु, चिंटू, अउं ध्यान रखती। तु झठ दे, मोउं कम पूरु करुण असु।' तोउं मोंटु बोता, 'हेर किटटी, मेईं त पहेलाई बोलो थियु कि कम पूरु कर। न त मैडम ना छती तउ।' किट्टि लेहरी कइ बोती 'तु गा इठिया मोंटू! मोउं लेहेर ऐइ घेन्ती। त ते फिर ..... होर अउं इन्हि काफी फटाई छती।' तोउं किटटी काफी फटाई छेई!

इ हेर कइ मैडम बोती, 'किटटी, तेंई चिंटू काफी बि फटाई छई ना? हेरे, एसे काफी चीरि गई। अब तें सज्जा ईं असी कि तोउं दुहि के काफी के कम करुण अपु त चिंटू। होर से बि में समाड़ी बिश कइ।' त किट्टि सोचती 'ओहो! अउं त चिंटू केआं कम कराणे सोचुण लगो थी। पर अब मोउं तसे कम बि दुबारी करुण एन्तु। तउं त बोते कि लेहेरिये पुठ सोब कम खराब भोई घेन्ते। अब अउं कदी लेहेर ना किढ़ती।'

कुआ स्कूले फार्म भरण लगो थिया ...

बबिता, चौकी

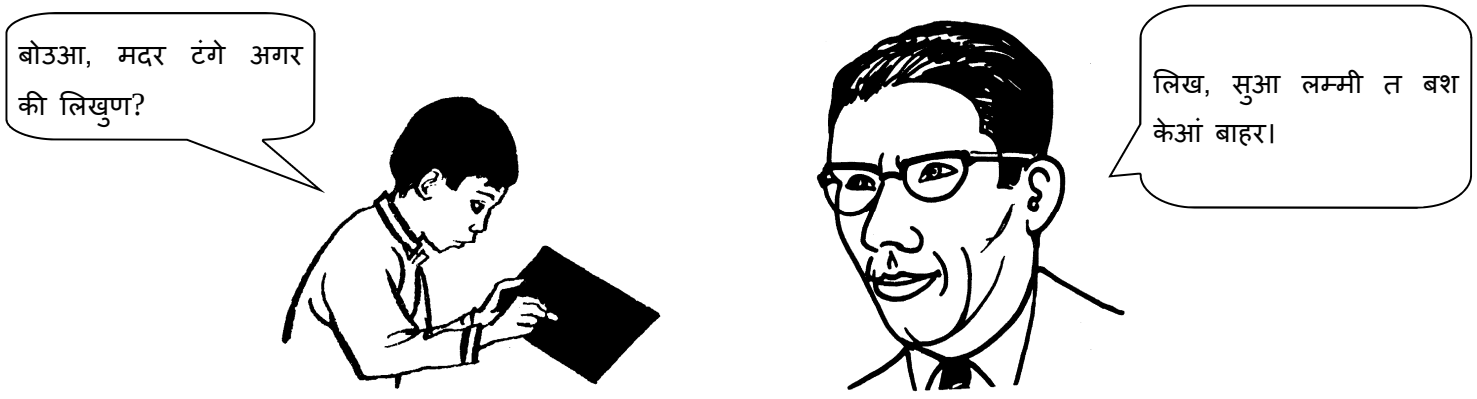

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एडस बीमारी इन्सान जोई यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बोलि केसे बी एडस एई घेन्ता।... कॉंडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता।... एडस मेहणु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआं 10 साल तकर कोई लक्ष्ण नजर न एन्ते।